

जिघत्सा स्त्री. (तत्.) भूख, खाने की इच्छा 2. प्रयास करना।

जिघत्सु वि. (तत्.) भूखा, भोजन की इच्छा रखने वाला।

जिघांसक वि. (तत्.) मारने वाला, प्रतिहिंसक।

जिघांसु वि. (तत्.) दे. जिघांसक।

जिघृक्षा स्त्री. (तत्.) पकड़ने की इच्छा।

जिघृक्षु पुं. (तत्.) पकड़ने की इच्छा रखने वाला।

जिघ्र वि. (तत्.) 1. संदेही, शंकालु 2. सूँघने वाला 3. समझने वाला।

जिघ्र वि. (तद्.) दे. 'जिघ्र्य'।

जिघ्र्य स्त्री. 1. बेबसी, तंगी, मजबूरी 2. शतरंज में एक ऐसी अवस्था जब चलने का न कोई घर हो और इर्दब में न कोई मोहरा हो 3. शतरंज की वह अवस्था जब किसी पक्ष का कोई मोहरा चलने की जगह न हो।

जिजमान पुं. (देश.) दे. यजमान।

जिजिया स्त्री. (देश.) जीजी, बहन पुं. (अर.) कर, महसूल (जिजिया कर) 2. वह कर जो मुगल शासन में गैर-मुगलों पर लगाया जाता था।

जिजीविषा स्त्री. (तत्.) जीने की इच्छा, जीने की अभिलाषा, जीवित रहने की स्वाभाविक इच्छा।

जिजीविषु वि. (तत्.) जीने की इच्छा करने वाला।

जिज्ञापिषा स्त्री. (तत्.) जानकारी प्रदान करने या जताने की इच्छा या लालसा।

जिज्ञापयिषु वि. (तत्.) जानने या जानकारी देने की इच्छा रखने वाला।

जिज्ञासा स्त्री. (तत्.) 1. जाने अथवा ज्ञान प्राप्त करने की अभिलाषा या इच्छा 2. जानने की स्वाभाविक इच्छा, ज्ञान की चाह या लालसा।

जिज्ञासित वि. (तत्.) जिज्ञासा किया हुआ, पूछा हुआ, जिसकी जिज्ञासा की गई हो, जिसकी या जो जानकारी या ज्ञान प्राप्त करने की इच्छा की गई हो।

जिज्ञासु पुं. (तत्.) 1. जानने की इच्छा रखने वाला 2. ज्ञान-प्राप्ति का इच्छुक 3. मुमुक्षु, परम तत्त्व का ज्ञान या मोक्ष-प्राप्ति का इच्छुक।

जिज्ञास्य वि. (तत्.) 1. जिसे जानना अपेक्षित हो, जिसकी जानकारी लेना या करना जरूरी हो 2. जिज्ञासा या जानने के योग्य 3. पूछने के काबिल या योग्य।

जिठानी स्त्री. (तद्.) जेठानी (जेठ की पत्नी), पति के बड़े भाई की पत्नी।

जित वि. (तत्.) 1. जीता हुआ, जो जीत लिया गया हो, जिसे वश में किया गया या कर लिया गया हो, पराजित 2. जीत कर प्राप्त या अधिकार में किया हुआ 3. जीतने वाला, वश में करने वाला।
क्रि.वि. जिस ओर, जिधर उदा. "जित तें हुती आस आवन की उततें धार बही" -सूरसागर।

जितना वि. (तद्.) 1. जिस मात्रा का, जिस परिमाण का 2. जिस तादाद का उदा. उतना ही खर्च करो जितना आसानी से इसके लिए शेष रहता हो
क्रि.वि. 1. जिस मात्रा में 2. जितना बचता है उतना बाँट देते हैं। (बहुवचन) "जितने" स्त्री. जितनी स.क्रि. जीतना उदा. 1. तेहि बल ताहि न जितहिं पुरारी -तुलसी मानस (1/723/4)।

जितलोक वि. (तत्.) जो पुण्य कर्मों से स्वर्गादि प्राप्त करने का अधिकारी हो।

जितवाना स.क्रि. (देश.) 1. किसी को जीतने देना, किसी के जीतने में सहयोग देना।

जितवार वि. (देश.) जीतने वाला, विजयी, जयी।

जितवैया वि. (देश.) जीतने वाला, जिताने वाला।

जितशत्रु वि. (तत्.) शत्रु को जीतने वाला, विजयी, विजेता।

जिताक्ष वि. (तत्.) जितेंद्रिय दे. जितात्मा, जिसने अपनी इंद्रियों को वश में कर लिया हो।

जिताक्षर वि. (तत्.) अक्षर ज्ञानी अर्थात् पढ़ने-लिखने में कुशल, अच्छा पढ़ने-लिखने वाला, अध्ययन-पटु।